पाठ 9

सच्ची कबु- कथा

मुख से

प्रश्नों के उत्तर बताइए-

क) इंदौर के चिड़ियाघर के दक्षिण में किनकी कतार है?

उत्तर- इंदौर के चिड़ियाघर के दक्षिण में कोई दर्जन भर बहुमंज़िली इमारतों की कतार है।

ख) लेखक ने मुंडेर पर बैठे कबूतरों को कैसा किशोर कहा है?

उत्तर- लेखक ने मुंडेर पर बैठे कबूतरों को ऐसे किशोर कि आकार में बड़े किंतु उड़ने में कमज़ोर कहा है।

ग) अचानक बिल्ला आ जाने पर क्या हुआ?

उत्तर- अचानक बिल्ला आ जाने पर एक कबूतर ने खतरे की आवाज निकाली और फड़फड़ाकर सारे कबूतर मुंडेर छोड़कर उड़ गए।

घ) कबूतर को दवा कैसे पिलाई जाती थी?

उत्तर- कबूतर को दवा देने के लिए लेखक सुबह-शाम दवा (गोली) के टुकड़े करके आधा चम्मच पानी में घोलकर, ड्रॉपर से उसकी चोंच में डालते थे।

ङ) कबूतर का क्या नाम रखा गया?

उत्तर- कबूतर का नाम “कबु” रखा गया।

कलम से

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) बहुमंजिला इमारतों के इलाके को नौलक्खा क्यों कहा जाता है?

उत्तर- बहुमंजिला इमारतों के इलाके को नौलक्खा इसलिए कहा जाता है क्योंकि कभी यहां आम के इतने पेड़ थे कि एक वर्ष नौ लाख केरिया गिरीं। तब से इस इलाके का नाम नौलक्खा हो गया।

ख) लेखक ने घायल कबूतर की कैसे तीमारदारी की?

उत्तर- लेखक उस कबूतर को अंदर ले आए। उसके चेहरे पर पानी का फ़व्वारा किया और एक टोकरी में रख दिया। खाने के लिए चावल के दाने डालें।

ग) दूसरे दिन कबूतर को डॉक्टर से दिखाने पर क्या पता चला?

उत्तर- दूसरे दिन कबूतर को डॉक्टर से दिखाने पर यह पता चला कि लू लगने के अलावा उसकी गर्दन टेढ़ी हो गई है। उसके लिए डॉक्टर ने एंटीबायोटिक दवा और न्यूरोबियान की पर्ची लिख दी।

घ) कबु को आजाद करने पर भी वह क्यों नहीं जा पा रहा था? अपने विचार लिखिए।

उत्तर- कबु दिखने में बड़ा कबूतर लगता था किंतु अभी वह बहुत छोटा, घायल तथा डरा हुआ था। वह अच्छी तरह से उड़ना नहीं जानता था। इस कारण आजाद करने पर भी वह नहीं उड़ पा रहा था।

ङ) 'ज़मीन पर चलने वाले हम एक पंछी को उड़ना सिखा रहे हैं।' यह कथन लेखक के चरित्र की किस विशेषता को स्पष्ट कर रहा है?

उत्तर- उपरोक्त पंक्तियों से पता चलता है कि लेखक पशु- पक्षियों के प्रति बहुत प्रेम रखते हैं। जिस तरह उन्होंने घायल कबु की देखभाल की उससे उनके सेवाभाव तथा दयालु प्रवृत्ति के गुणों का पता चलता है।